फजलुर रहमान हासमी

जन्म : 1940 ई०।

जन्म-स्थान : बराहग्राम-पटना जिलान्तर्गत।

कृति : **हिन्दी–** कविता संग्रह- रश्मिराशि।

मैथिली– कविता संग्रह- निर्मोही।

फजलुर रहमान हासमी मैथिली साहित्यक प्रथम मुसलमान कवि छथि जे अपन मातृभाषाक अनुरागकेँ कविताक माध्यमसँ चित्रित कयलनि अछि। पेशासँ शिक्षक हासमी जी मैथिलीमे कविता लिखि मातृभाषाक भण्डारकेँ अनुखन भरैत रहैत छथि। हिनक कविता छोट मुदा चित्रात्मक रहैत अछि। भाषा ओ भावकेँ बोझिल बनयबाक कखनहुँ हिनक चेष्टा नहि रहैत छनि। उर्दू शब्दक प्रयोग सहजहि हिनक कवितामे भेटत।

काव्य-संदर्भ : कवि धर्म सम्प्रदायसँ उपर अपन मातृभूमिकेँ मानैत छथि। सभक माता एके छथिन-भारत माता-मिथिला माता। तेँ कवि एहिठाम कहैत छथि हे भाइ हमरा जुनि मारह। हम दुनू भाइ छी। खून ककरो बहतैक चाहे अर्जुन हो वा राधेय-कर्ण पीड़ा माता कुन्तिएकेँ होयतनि। तहिना हमर माता-मैथिली छथि आ हम सभ विभिन्न जाति, धर्म, सम्प्रदायक लोक हुनके सन्तान छी। साम्प्रदायिक सद्भाव पर हासमी जीक सोच विलक्षण छनि।

हे भाइ

हे भाइ
हमरा जुनि मारह .....
तोँ हमरा
दोसर जाति
दोसर धर्म्मक बुझि रहल छह-
मुदा हम छी
तोरे भ्राता
अग्रज वा अवरज !
हमरा सभकेँ एके माता
नहि मारह
गैर जानि कऽ
संसारक दृष्टिमे
तोँ 'पार्थ'
आओर
हम 'राधेय' बनल छी
मुदा 'पृथा' जानि रहल अछि
हृदय कानि रहल अछि
चुप अछि
मजबूरीसँ
बेबसीसँ
हे भाइ
हमरा नहि मारह.....।

●

प्रश्न ओ अभ्यास

1. एहि कवितामे कवि महाभारतक कोन प्रकरणक स्मरण देअबैत छथि?
2. 'दोसर जाति'क अभिप्राय की अछि ?
3. दोसर धर्मक रहितहुँ भ्राता कोना कहैत छथि अपनाकेँ ?
4. दू धर्मसँ सम्बद्ध रहैत एके माता कोना ?
5. 'पार्थ', 'राधेय' आओर 'पृथा' शब्द पर टिप्पणी लिखू ।
6. एहि कवितामे ककर हृदय विदीर्ण भऽ रहल छैक- आओर किएक ?
7. कननिहारिक की मजबूरी आओर विवशता छैक- लिखू।
8. हृदय विदीर्ण भेला उत्तरो के चुप अछि ?

गतिविधि :

1. आइ कालिहक संदर्भमे एहि कविताक की प्रासंगिकता अछि ?
2. एहि तरहक कोनो आन कविता, जँ स्मरण अछि तँ लिखू।
3. विभिन्न धर्म-सम्प्रदायसँ युक्त व्यक्ति, की मैथिलीमे रचना कऽ सकैत छथि? किएक ?
4. कविक कोनो दोसर रचना जे मातृभूमि वा भाषासँ सम्बन्धित अछि, ताकि कऽ लिखू।

शिक्षक :

(क) शिक्षकसँ अपेक्षा कयल जाइत छनि जे छात्रसँ साम्प्रदायिक एकता सम्बन्धी खिस्सा-पिहानी कहथि।

□